पोषक तत्व प्रबंधन अनुसूची २०१९

ऑपरेशन			
क्रम. संख्या	**पत्ती झड़ने के बाद के दिन**	**स्थिति**	**ऑपरेशन**
१	०	पतझड़ का समय	• इथरेल का प्रयोग करके(१.५-२ मिली/ली)+डी ए पी ५ ग्राम/ लीटर • खरपतवार को निकालना
१.	०-७	तनाव मुक्त	• २५-३० किलो गोबर की सड़ी हुई खाद या १५ -२० किलो गोबर की सड़ी हुई खाद +२ किलो कृमि खाद + २ किलो नीम की खली/ पौधा डालें • या ७.५ किलो सड़ी हुई मुर्गी की खाद+ २ किलो नीम की खली/ पौधा डालें • २.५-२.८ किलो जिप्सम और ८०० ग्राम माग्नेसियम सल्फेट/पौध डालकर मिट्टी में मिलाए • *एज़ोस्पिरिलम* एस पी, *एस्परजिलस नायजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी* और *पेनिसिलियम पिनोफिलम* को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस / राहीज़ोफगस इर्रेगुलरिस*) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें। नोट: रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के २०-३० दिनों के बाद ही जैवयोगिकों का प्रयोग करें।
२.	८-१४	८५-१००% पत्ती झड़ना	
३.	१५-२१	पत्तों का निकालना	

४.	२२-२८	फूलों का निकालना	• प्लानोफिक्स @ २२.५ मिली/ १०० ली की दर से छिड़काव करें l • सूक्ष्म पोषक तत्वों के मिश्रण का पर्णीय छिड़काव @ १.०-१.५ किलो/ हेक्टर की दर से करें l
५.	२९-४९	१००% फुलों का खिलना	
६.	५०-६३	फल समूह कि सुरुवात	• खरपतवार और सकर्स को निकालना *एज़ोस्पिरिलम* एस पी, *एस्परजिलस नायजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी* और *पेनिसिलियम पिनोफिलम* को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस / राहीज़ोफगस इर्रेगुलरिस*) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें। नोट: रसायनिक उर्वरकों के उपयोग के २०-३० दिनों के बाद ही जैवयोगिकों का प्रयोग करें। • घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फोस्फेट: पोटाश::००:५२:३४ (मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट) @ 8.5 किग्रा / हे का ३ उपयोग सिंचाई के माध्यम से ७दिनों के अंतराल पर • जिप्सम@१.७०-१.८० किग्रा / पौधा और म्याग्नेसियम सुल्फेट ७०० ग्राम / पौध डालकर पूरी तरह से मिट्टी में मिलाएं । • मैग्नीशियम सल्फेट ड्रिपर के माध्यम से भी दिया जा सकता है। • नियमित रूप से सिंचाई करें
७.	६४-७०	फल का बनना	
८.	७१-१२६	फल सेट १००% फलों के आकार में वृद्धि	• घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फोस्फेट: पोटाश::००: ५२: ३४(मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट), यूरिया और ०:०:५० @ ८.५०,

			२२.५०और १६.३०किग्रा/ हेक्टेयर /उपयोग क्रमशः सिंचाई के साथ ७ दिनों के अंतराल पर ५ बार • सूक्ष्म पोषक मिश्रण @ १-१.५ किग्रा/हे का पर्णीय छिड़काव • जिब्बेरेलिक अम्ल @ ५० पीपीएम का दो पर्णीय छिड़काव १५ दिनों के अंतराल पर करें
९		फलों के आकार में वृद्धि + दानो का रंग पकड़ना	• ००:५२:३४ के तीन पर्णीय छिड़काव (मोनो-पोटेशियमफॉस्फेट) @ १० ग्राम / लीटर और • मैंगनीज सल्फेट @ ६ ग्रा / लीटर के दो पर्णीय छिड़काव १० दिनों के अंतराल पर
१०	१४१-१८४	फल वृद्धि और विकास	• घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फोस्फेट: पोटाश::००: ५२: ३४(मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट), यूरिया और ०:०:५०@ १२.८०, ३१.४० और ११.५० किलो / हेक्टेयर / उपयोग सिंचाई के माध्यम से ७ दिन का अंतराल पर १० बार करें
११	१८५-१९९	फल की परिपक्वता	
१२	२००-२१४	फल की परिपक्वता फल तुड़ाई के १महीने पहले	
१३	२१५-२३०	फलों का पकना	
बाग तनाव अवस्था में करने योग्य कार्य			
१४	•	बची हुई समया वधि (पोषक तत्वों का फल तुड़ाई के तुरंत बाद उपयोग)	• २५-३० किलो गोबर की सड़ी हुई खाद या १३-१५ किलो गोबर की सड़ी हुई खाद +२ किलो केंचुए की खाद + २ किलो नीम की खली/ पौधा डालें l • या ७.५ किलो सड़ी हुई मुर्गी की खाद+ २ किलो नीम की खली/ पौधा डालें l • २०५ ग्राम नत्रजन (४४६ ग्राम नीम कोटेड यूरिया / पौध) ५० ग्राम फोस्फेट (३१५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट / पौध) और १५२ ग्राम पलाश (२५४ ग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश या ३०४ ग्राम • सल्फेट ऑफ पोटाश प्रति पौधे) हल्की सिंचाई के बाद

२ वर्ष की आयु तक वाले पौधे के लिए पोषक तत्व प्रबंधन (फल लेने से पहले के बाग)

साल	पोषक तत्व प्रबंधन का पालन किया जाना चाहिए
१	• *एज़ोस्पिरिलम* एस पी, *एस्परजिलस नायजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी* और *पेनिसिलियम पिनोफिलम* को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस / राहीजोफैगस इर्रेगुलरिस*) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें। • नर्सरी में कम से कम ३-४ महीने तक इनोक्युलेटेड पौध को रखें • पौध लगाने से पहले जड़ों की मिट्टी में सूक्ष्म जीवों को इनोकुलेट और स्थापित करें • बाग में पौध लगाने के समय ५.०- ७.५ किलोग्राम अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद /पौध २.५- ३.५ किलो अच्छी तरह से विघटित मुर्गी खाद और ५०० - ७५० ग्राम नीमकी खली प्रति पौध डालें। मानसून की शुरुआत से ठीक पहले खाद को दूसरी बार डालें : ५.०- ७.५ किलोग्राम अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद /पौध २.५- ३.५ किलो अच्छी तरह से विघटित मुर्गी खाद और ५०० - ७५० ग्राम नीमकी खली प्रति पौध (आमतौर पर रोपाई के ८-१० महीने बाद)।
२	• *एज़ोस्पिरिलम* एस पी, *एस्परजिलस नायजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी* और *पेनिसिलियम पिनोफिलम* को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस / राहीजोफैगस इर्रेगुलरिस*) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें। • २० - २५ किलो सड़ी हुई गोबर की खाद / १० - १५ किलो अच्छी तरह से विघटित मुर्गी की खाद और २.०-२.५किग्रा नीम की खली प्रति पौध को दो हिस्से में बांटकर (मार्च -अक्टूबर) में डालें, उपयोग का समय कम तापमान की अवधि के साथ मेल नहीं खाना चाहिए। • १-२ छिड़काव सैलिसिलिक एसिड @ ३०० पीपीएम १-२ महीने के अंतराल पर करें । • पति पोषक तत्व विश्लेषण बहार विनियमन के ६-७ महीने पहले उर्वरक के मात्र तय करने के लिए करनी चाहिए।